

Order Sheet (Subsequent)

२१ एप्रिल २०२४ (५१८८२३) जोधपुर CNR NUMBER 2024/113

Number of Case A/240/ Year 2024

धनराज व अन्ध Versus गौरखराम व अन्ध
अन्ध-२१२ RTA-1955

Date	Order with initials of Presiding Officer	Brief note of compliance of the Order
25/07/24	पत्रावली पेश। अचि. प्रार्थी उप। एक-पक्षीय बटस सुनी गई। वास्ते बटस अचि. अर्थात् पत्रावली दिनांक 29/07/24 को पेश हो।	
29/07/24	<p>Prising कलक्टर सहायक (प्रोस्ट्रैक) जोधपुर</p> <p>पत्रावली पेश। वकुलाय उप। बटस उभयपक्ष सुनी गई। मुताबिक बटस अचि. प्रार्थी- " ग्राम बैरु ख. सं. 342 (22-10 बीघा), ख. सं. 342, (10 बिस्वा), ख. सं. 486 (07-03 बीघा) भूमि गौरखराम, आईदानराम की खातेदारी में थी। गौरखराम, आईदानराम द्वारा अपनी खातेदारी में से 03 बीघा, 11.15 बिस्वा भूमि का बेचान खैराजराम को जरिदत भू बँयनामा दिनांक 25/09/79 को किया गया। उक्त बँयनामा में ख. सं. 486 के पड़ोस दशाकिर बेचान किया गया है। किंतु बँयनामा में भूलवश ख. सं. 486 के स्थान पर ख. सं. 426 संकित हो गया। वर्तमान में ख. सं. 486 पर खैराजराम के वारिसान काबिज हैं। अर्थात् गण प्रार्थीगण को उनके कब्जे से बेदखल करने पर उतारु हैं, अतः उन्हें पाबंद किया जावे।"</p> <p>मुताबिक बटस अचि. प्रार्थी- " अर्थात् गण के पिता ने कभी अपनी भूमि का बेचान नहीं किया। ख. सं. 486 में प्रार्थीगण का कब्जा नहीं है। Reg. बँयनामा में ख. सं. 426 संकित है। अर्थात् गण ने मूल बँयनामा न्यायालय में पेश करने हेतु प्रा. पत्र दिया है। मूल बँयनामा से ही ज्ञात होगा कि</p>	

Order Sheet (Subsequent)

2024/112

सहायक कलक्टर (कार्ड डेस्क) जोधपुर

CNR NUMBER

Number of Case

A/240/ Year 2024

श्वेतराज व संजय

Versus श्वेतराज व संजय

कतगोरिया 212

PFA 1955

Date	Order with initials of Presiding Officer	Brief note of contents of the Order
	<p>अपार्थीगण के पिता के हस्ताक्षर नहीं हैं। श्वेतराज द्वारा प्रतिपादित अन्व 02 बैचनामे पेश किये गये हैं जो श्वेतराज ने बैचान किया। अन्व कोई बैचान श्वेतराज द्वारा नहीं किया गया है अतः प्र. पत्र श्वरिज फरमाया जावे।</p> <p>उपरोक्त तथ्यों, बँध, दस्तावेजों के आधार पर प्रथम दृष्टया मामला अपार्थीगण के पक्ष में साबित होता है यदि भूमि पर किसी प्रकार का निर्माण होता है तो अपूरणीय सति होने की प्रबल संभावना है। अतः ताफेंसला मूलकाद अपार्थीगण को जरिह अस्थाई निषेधाज्ञा प्रबंद किया जाता है कि व ख. सं. 486 के 03 बीघा 11-05 बिस्वा. भूमि के record की यथास्थिति बनाए रखें और अपार्थीगण के कब्जे में दरबल ना करें। आदेश सुनाया गया। पत्रावली फेंसल सुमार होकर दरिबल-पफतर हो।</p>	

Printed
सहायक कलक्टर
(कार्ड डेस्क) जोधपुर

